Shri Shivajirao S. Deshmukh: They may be on a purely temporary basis. But some of them are the former personnel of the Indian National Army organised by Netaji Subhas Chandra Bose.

Shri B. R. Bhagat: All those who have been recruited on a particular understanding will be treated alike.

श्री रणजीत सिंह : क्या मैं पहले थोड़ी सी भूमिका दे दूं ? 1966 के अन्त में एन० सी० सी० में अफसरों में आप के पास चौदह सौ की कमी थी । जे० सी० ओ० में आप के पास एक हजार की कमी थी। एन० सी० ओज० के लिए आपके पास पूरे ढाई हजार की कमी थी । चूंकि एन० सी० सी० के अधिकारी जे० सी० ओज० की जगह और एन० सी० ओज० की जगह काम करते हैं इसलिये उनकी संख्या केवल इसलिए घटाई जा रही है कि देश की सुरक्षा का कुछ भी आप को विचार नहीं है ? मैं जानना चाहता हूं कि एन० सी० सी० की संख्या सतरह लाख से घटा कर केवल आठ लाख की जा रही है क्या यह सही नहीं है ?

श्री ब० रा० भगत : यह सवाल तो 673 सिखाने वाले लोगों का है और संख्या कितनी हो सेना की या ट्रेनिंग वालों की यह तो अलग सवाल है । लेकिन जैसा मैंने कहा है अभी उनको हटाया नहीं जा रहा है । जैसे जैसे सेना के सीखे हुए जूनियर कमिशंड और नौन कमीशंड अफसर आयेंगे सिखाने के लिए वैसे वैसे इनको हटाया जायेगा । अगर वे न आये और तो ये सब काम में लगे रहेंगे । इस लिए आगे सेना कम हो या रक्षा की अवहेलना हो ऐसा सवाल नहीं उठता है ।

Shri Jyotirmoy Basu: We would like you to absorb them in the regular Army.

श्री रणजीत सिंह : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं मिला है । मूल प्रश्न यह है कि जो एन० सी० सी० के कैडेटस अंडर आफ़िसर इत्यादि के रूप में एम्पलायड थे, वे सेना के अफ़सरों की जगह एम्पलायड नहीं थे । मंत्री महोदय सेना के अफ़सरों के बारे में बात कर रहे हैं । मूल प्रश्न यह है कि एन० सी० सी० के कैडेटस सीनियर अंडर आफ़िसर्ज, अंडर आफ़िसर्ज और सार्जेन्ट मेजर्ज की जगह पर एम्पलायड हैं । जो हमारी स्थायी सेना है, . . .

Mr. Speaker: He is going on giving the details.

श्री रणजीत सिंह : मंत्री महोदय, उत्तर अफ़सरों के बारे में दे रहे है ।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : क्या रक्षा मंत्रालय ने एन० सी० सी० के इन अधिकारियों की कमी करते समय अपने मस्तिष्क में यह विचार रखा है कि एन० सी० सी, ए० सी० सी० और नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के साथी, स्वर्गीय जैनरल भोंसले, द्वारा चालू की गई नैशनल डिसिप्लिन स्कीम, इन तीनों को मिला कर एक योजना बनाने का सुझाव है और उस आधार पर कोई कमी की जा रही है ।

श्री ब० रा० भगत : इस सवाल की सूचना चाहिए ।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Cost of Living Index and D.A. to Central Government Employees

*146. **Shri D. C. Sharma:**
Shri Yashpal Singh:

Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the cost of living index has touched a new peak;

(b) if so, the steps taken to check this trend; and

(c) the steps taken or proposed to be taken to compensate Government employees in the matter of granting them additional dearness allowance?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) Yes, Sir The All India Working Class Consumer Price Index Number for January, 1967 stood at 197 and the average for 12 months ended January 1967 was 186 50

(b) The steps so far taken by Government to contain price rise, and hence the cost of living, include payment of subsidy on food-grains, fertilizers and petroleum products, expansion of the network of consumer cooperatives opening of department stores in major cities, price regulation-statutory and otherwise imposition of selective credit control over bank advances against foodgrains edible oils etc, regulation of forward trading issue of licensing and anti-hoarding orders liberalisation of imports to stimulate production and appointment of the Civil Supplies Commissioner to take corrective action in regard to essential commodities as and when necessary

(c) The matter is under consideration

भारत सरकार के मुद्रणालय, अलीगढ़ के कर्मचारी

*147. **श्री शिवकुमार शास्त्री :**
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :

क्या निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार के मुद्रणालय, अलीगढ के कर्मचारियो द्वारा अनुभव की जा रही कुछ कठिनाइयो के सम्बन्ध मे हाल ही मे कोई ज्ञापन मिले हैं,

(ख) यदि हा, तो सरकार ने उन के संबंध मे क्या कार्यवाही की है, और

(ग) क्या इस मुद्रणालय की क्षमता को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव भी विचाराधीन है ?

निर्माण, आवास तथा पूर्ति मंत्री (श्री जगजीवन राम) (क) और (ख) जनवरी 1967 मे राजकीय प्रेस मजदूर सघ, अलीगढ एव अन्य स्थानो के प्रेस कर्मचारियो की अन्य यूनियनो, एसोसिएशनो ने भी हडताल का नोटिस दिया था कि यदि उनकी 15 मागो को पूरा नही किया गया तो वे सांकेतिक हडताल पर चले जायेंगे । इन पर विचार किया गया तथा सभी सबधित व्यक्तियो को उचित उत्तर भेज दिया गया ।

(ग) अभी प्रेस के विस्तार की कोई सभावना नही है । किन्तु वर्तमान क्षमता का बढाने के लिए 80 प्रतिशत मशीनो को चला कर एक दूसरी पारी को आरम्भ करने की योजना है ।

Foreign Exchange Violation Cases

*148 **Shri S M. Banerjee;** Will the Minister of **Finance** be pleased to state

(a) whether it is a fact that the cases of foreign exchange violations have increased during 1966 as compared to 1965, and

(b) if so the steps taken by Government to check this?

The Minister in the Ministry of Finance (Shri K. C. Pant): (a) and (b) A statement showing the number of cases of alleged violations of foreign exchange regulations registered by the Enforcement Directorate as a result of information collected by them during the two years 1965 and 1966 and also of searches conducted and recoveries made is placed on the table of the House From these figures, it is not possible to draw the conclusion that the cases of violation of foreign exchange regulations have increased during the year 1966 as compared to the year 1965 The Enforcement Directorate continue to be vigilant and have been taking suitable action in cases of alleged violation of foreign exchange regula ions